Bharatiyata Aura Sanskrita

भारतीयता और संस्कृत

Document Information

Text title : Bharatiyata Aura Sanskrita

File name : bhAratIyatAaurasanskRRita.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

भारतीयता और संस्कृत

भारतीयता रखनी हो तो संस्कृत का उत्थान कीजिये,
भारतीय संस्कृति रक्षा हित इसका समुचित मान कीजिये । ०
अंग्रेजों ने यहाँ पहुँच कर अंग्रेजी शिक्षा फैलाई,
उसके ही माध्यम से अपनी राजनीति सभ्यता चलाई,
अपने पूर्वजनों की निन्दा करना ही हमको सिखलाया,
उल्टा-सीधा पाठ पढ़ाकर "अपने-पन" का मान मिटाया,
अब भी तो उस भीषण विष के निर्मूलन पर ध्यान दीजिये,
अब से भी शिक्षा में संस्कृत को भी समुचित स्थान दीजिये । १
अंग्रेजी भाषा में जो कुछ ज्ञान और विज्ञान निहित है,
उसके संग्रह से भारत का लाभ और उन्नति निश्चित है,
किन्तु हमारी मौलिकता का भी हमको रक्षण करना है,
संस्कृत से ही संस्कृति का रस जीवन के घट में भरना है,
इसे भूलना कभी न अच्छा होगा, इसको मान लीजिये,
इसीलिये शिक्षा में संस्कृत को अब समुचित स्थान दीजिये । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Bharatiyata Aura Sanskrita
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*